संगीत : अँग्रेज़ी भाषा सीखने में एक सम्बल

दीपिका झाला

संगीत में इतनी ताक़त होती है कि वह हमारी भावनाओं को जगा दे। अक्सर हम बच्चों को गानों, कविताओं को गाते या गुनगुनाते हुए और कभी-कभी सिर्फ़ किन्हीं जानी-पहचानी धुनों को गुनगुनाते हुए सुनते हैं। यहाँ सिरोही में एक तो बच्चों का अँग्रेज़ी भाषा से बहुत वास्ता नहीं पड़ता, दूसरे, यह उनकी तीसरी भाषा है। विद्यार्थियों को अक्सर इस भाषा के कुछ शब्दों, वाक्यांशों और वाक्यों को समझने और स्पष्ट रूप से बोलने में भी दिक़्क़त होती है। अतः, उनके सीखने को सुदृढ़ बनाने के लिए उनके साथ हर दिन कविताओं पर काम ज़रूरी हो जाता है। संगीत में लय-ताल होती है जिससे विद्यार्थियों को भाषा में प्रवाह विकसित करने में मदद मिलती है और जब कविताएँ भाव-भंगिमाओं के साथ गाई जाती हैं, तो बच्चे अँग्रेज़ी भाषा के शब्दों के अर्थ और भावों को भी समझ पाते हैं।

किसी भी भाषा के चार कौशल होते हैं। सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना (जिन्हें LSRW कहा जाता है)। भाषा को समझने और उसमें प्रवाह हासिल करने के लिए यह ज़रूरी है कि विद्यार्थी इन कौशलों का नियमित अभ्यास करें। कक्षा में जब हम कविताएँ पढ़ाते हैं तो बच्चे इन सारे कौशलों का इस्तेमाल करते हैं और इससे उन्हें बहुत सारे शब्दों को पहचानने में मदद मिलती है। इससे सीखने की, यानी अँग्रेज़ी सीखने की प्रक्रिया सरल हो जाती है क्योंकि बाद में जब हम कहानियों और लेखों में अँग्रेज़ी के इन शब्दों को इस्तेमाल करते हैं तो विद्यार्थियों को ये कठिन नहीं लगते। बल्कि वे पाठ के हिस्सों को ख़ुद भी समझ लेते हैं।

कक्षा के अनुभव

हम कक्षा-3 के विद्यार्थियों के साथ 'बर्ड' (चिड़िया) विषय पर चर्चा कर रहे थे क्योंकि कक्षा-3 की एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक में एक कविता 'बर्ड टॉक' है। हमने बच्चों को कविता से परिचित कराने के लिए अपनी संगीत की शिक्षिका को कक्षा में आमंत्रित किया। इस कविता के साथ हमने एक गीत की रचना की। विद्यार्थियों ने इस गीत का लुत्फ़ लिया। उन्होंने इसके साथ नृत्य किया और सारे दिन इसकी धुन गुनगुनाते रहे। उन्होंने इस गीत की भाव-भंगिमाओं को सीख लिया और भाव-भंगिमाओं के साथ कविताओं को गाने के सीखने का परिणाम सभी विद्यार्थियों की सम्पूर्ण भागीदारी के साथ हासिल किया गया। सभी बच्चे इस कविता को गा पा रहे थे और हमारे बिना बताए वे अपनी पाठ्यपुस्तकों में दिए गए चित्र में रॉबिन और जे चिड़ियों को पहचान गए। इस कविता के माध्यम से जो शब्दावली विकसित हुई उससे हमें 'नीना एंड द बेबी स्पैरो' अध्याय को समझने में मदद मिली। इसमें विद्यार्थी बहुत कम सहायता से ही पाठ को समझ गए।

जब इस कविता को भंगिमाओं के साथ असेम्बली में गाया गया तो सभी कक्षाओं के विद्यार्थी साथ में गाने लगे। वे इसे गलियारों में, खेल के मैदान में, अपनी कक्षाओं में और अपने घरों में भी गाने लगे। हमने इस कविता का पोस्टर भी कक्षा में लगा दिया ताकि विद्यार्थी उसे देख सकें और जब भी मौक़ा मिले उसे स्वतंत्र रूप से पढ़ें।

बाद में, हमने प्राथमिक और उच्च प्राथमिक कक्षाओं को एक

चित्र-1 : *कक्षा-5 के विद्यार्थी गाते और नाचते हुए।*

साथ मिलाकर अँग्रेज़ी की डेढ़ घण्टे की कक्षाएँ लगानी शुरू कीं। हमने ध्यान दिया कि विद्यार्थी इससे ऊब जाते हैं और अक्सर उनका ध्यान भंग हो जाता। इसलिए हमने भाव-भंगिमा के साथ एक कविता पढ़ाना शुरू किया जिससे उनका ध्यान कक्षा में वापस लाया जा सके। विद्यार्थियों ने इस कविता 'आई एम अलाइव, अवेक, एलर्ट, एन्थुज़ियास्टिक' का आनन्द लिया। उन्होंने 'एन्थुज़ियास्टिक' शब्द के लिए कई भंगिमाएँ बनाईं। शुरुआत में, विद्यार्थियों ने इन शब्दों को दोहराने में कठिनाई महसूस की, लेकिन धीरे-धीरे वे सीख गए। जब भी हमें लगता कि विद्यार्थियों का ऊर्जा का स्तर कम हो रहा है तो हम उन्हें खड़े होकर इस कविता को भाव-भंगिमा के साथ गाने के लिए कहते। इस कविता के माध्यम से हम उस समय होने वाले काम को करने के लिए उनका ध्यान कक्षा में वापस ले आते। फिर, विद्यार्थियों ने इस कविता को विभिन्न तरह से रूपान्तरित किया और इन शब्दों के साथ उन्होंने एक-दूसरे से संवाद करने का लुत्फ़ लिया। इससे विद्यार्थियों को अपनी शब्दावली विकसित करने और प्रवाहपूर्ण तरीक़े से बोलने में भी मदद मिली।

उच्चतर-स्तर के कौशलों का निर्माण

ब्लूम के वर्गीकरण के अनुसार, किसी चीज़ का सृजन एक उच्च-स्तर का कौशल होता है। विद्यार्थी व्यक्तिगत रूप से और समूह, दोनों में ही कविता रचना पसन्द करते हैं। जब हम उनसे किसी कविता में पंक्तियाँ जोड़ने को कहते हैं, तो हमें कई तरह की कविताएँ हासिल होती हैं, जिनमें कुछ मज़ेदार शब्द होते हैं। वे इन कविताओं का पाठ करना पसन्द करते हैं और वे इन कविताओं की अलग-अलग तरीक़ों से रचना करना और इन्हें समूची कक्षा के साथ गाना भी पसन्द करते हैं। इससे उन्हें इस भाषा में आत्मविश्वास आता है और वे इसे बोलने में कम हिचकते हैं। इससे हम अध्यापिकाओं को मदद मिलती है कि हम कक्षा में उन्हें अलग-अलग तरह के पाठ पढ़ने और एक-दूसरे के साथ बाँटने को दे सकें।

कक्षा में हम एक अन्य गतिविधि करते हैं – 'सुनो और लिखो'। विद्यार्थी किसी कविता को चार से पाँच बार सुनते हैं। फिर, हम उनसे कहते हैं कि कविता के जितने सम्भव शब्द याद हों, लिखो। इस अभ्यास के माध्यम से, हमने ध्यान दिया कि विद्यार्थी जब कविता को सुनते हैं और उसका आनन्द लेते हैं तो वे कविता के शब्दों से दोगुने, तीन गुने शब्द लिख देते हैं। ये पंक्तियाँ उन्हें याद करने और उनकी ध्वन्यात्मक सचेतता को विकसित करने में मदद करती हैं।

सकारात्मक परिणाम

संगीत और कविता बच्चों के विचारों को उत्प्रेरित कर सकते हैं और उनकी कल्पनाओं को जागृत कर सकते हैं। हमें बहुत ख़ुशी होती है जब बच्चे कक्षा में सीखी हुई कविताओं और गीतों से प्रेरित होकर कविता लिखते हैं अथवा कला का सृजन करते हैं। कक्षा में पढ़ाई गई एक कविता से प्रेरित होकर कक्षा-7 के दो विद्यार्थियों ने अपनी ख़ुद की कविता लिखी (**चित्र-2**)। अतः, सच ही कहा जाता है कि संगीत और कविताओं में ऐसी जादुई शक्तियाँ होती हैं जो बच्चों को अलग और उच्चतर मानसिक स्तरों की ओर ले जाती हैं, जो शायद अन्यथा सम्भव नहीं हो पाता है।

संगीत नन्हें दिमाग़ों की कल्पनाओं को जागृत कर देता है और उन्हें रचनात्मक लेखन के लिए धरातल मुहैया कराता है। हमारे नन्हें बच्चे अपनी ख़ुद की लघु कविताएँ लिखते हैं। इस तरह, रचनात्मक लेखन में संगीत को शामिल करना विद्यार्थियों की कल्पना को गतिवान बनाने और उन्हें रचनात्मक लेखन से परिचित कराने का एक प्रभावी और मज़ेदार तरीक़ा है। उदाहरण के लिए, कविता 'इट्स अ ब्यूटीफुल डे'...से प्रेरित होकर कक्षा-3 की हमारी एक विद्यार्थी ने अपनी ख़ुद की कविता लिखी (**चित्र-3**)।

संगीत हमारी भाषा की कक्षा का अभिन्न हिस्सा बन गया है। बच्चे किसी भाषा को तब बेहतर सीखते हैं, जब वे उसमें आत्मविश्वास हासिल कर लेते हैं। संगीत हमारे बच्चों में वह आत्मविश्वास निर्मित करने में मदद करता है। जैसा कि रोज़ेनब्लैट ने कहा है कि भाषा में अनुभवात्मक और सूचनात्मक, दोनों पहलू होते हैं। संगीत उस अनुभवात्मक स्वरूप को चिह्नित करता है और वह बच्चों को गीत के शब्दों

The Rabbit

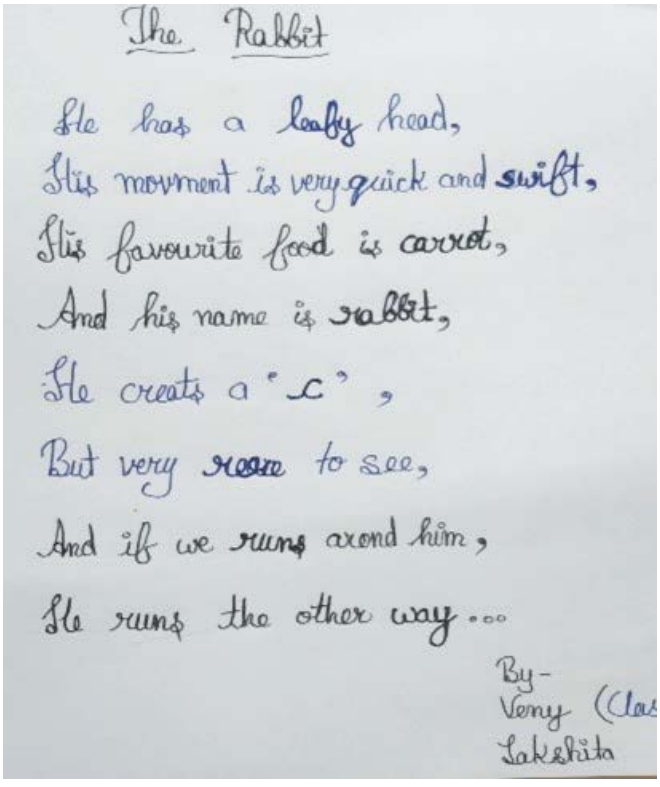

He has a leafy head,
His movment is very quick and swift,
His favourite food is carrot,
And his name is rabbit,
He creats a "c",
But very reare to see,
And if we runs arond him,
He runs the other way...

By-
Veny (Clas
Lakshita

चित्र-2 : कक्षा-7 के दो विद्यार्थियों द्वारा लिखी गई कविता।

की भाषा के साथ जुड़ाव बनाने में मदद करता है। संगीत कुछ शब्दों को उनकी सक्रिय शब्दावली का हिस्सा बना देता है। उदाहरण के लिए, हमारे विद्यार्थी अब कविता के विभिन्न शब्दों को अपने रोज़मर्रा के जीवन में इस्तेमाल करने लगे हैं। हमारे सामने अब स्पष्ट है कि अगर हम यह चाहते हैं कि विद्यार्थी किसी भी भाषा को प्रभावी तरीक़े से सीखें तो यह ज़रूरी है कि भाषा की समझ के लिए उनकी शब्दावली को निर्मित करने में और उसमें प्रवाह हासिल करने में हम उनकी मदद करें। तीसरी भाषा के तौर पर अँग्रेज़ी के मामले में इस आवश्यक लक्ष्य को कक्षा की रोज़मर्रा की गतिविधि के रूप में कविताओं को शामिल करके हासिल किया जाता है।

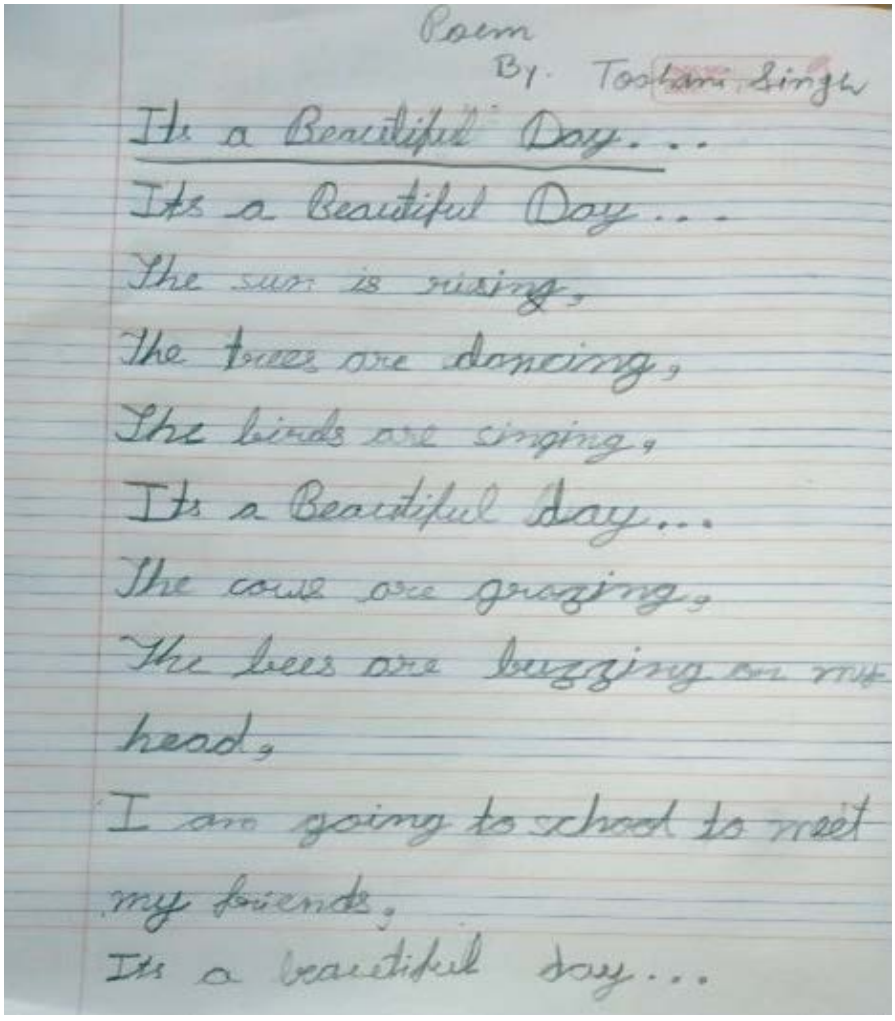

Poem
By. Toshani Singh
It's a Beautiful Day...
It's a Beautiful Day...
The sun is rising,
The trees are dancing,
The birds are singing,
It's a Beautiful day...
The cows are grazing,
The bees are buzzing on my
head,
I am going to school to meet
my friends,
It's a beautiful day...

चित्र-3 : *कक्षा-3 के एक विद्यार्थी द्वारा रचित कविता।*

दीपिका झाला सिरोही स्थित अज़ीम प्रेमजी स्कूल में अध्यापिका हैं। उन्हें अध्यापन और शोध में दस साल का अनुभव है। उन्होंने पहले राजस्थान के विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के साथ काम किया है। संगीत सुनना, कुकिंग और अध्यापन उनकी रुचियाँ हैं। उनसे *deepika.jhala@azimpremjifoundation.org* पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अनुवाद : अमिता शीरीं   **पुनरीक्षण :** भरत त्रिपाठी   **कॉपी एडिटर :** अनुज उपाध्याय